

५८
१८.२.१९८८



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकारिश

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 609] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 7, 1987/अग्रहायण 16, 1909
No. 609] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 7, 1987/AGRAHAYANA 16, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

बीमा

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1987

का.आ. 1038(अ) :—केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण)
अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 17-के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, साधारण बीमा (पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के बेतनमानों

तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम साधारण बीमा (पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) दूसरा संशोधन स्कीम, 1987 है।
- (2) यह 1 नवम्बर, 1986 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।
- (साधारण बीमा पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1987 की चौथी अनुसूची में, वेतन की अधिकतम परिमीमा में संबंधित मद IV में, विद्यमान पैरंग को उप-पैरा (1) के रूप में पुनर्मध्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनर्मध्यांकित उप-पैरा (1) के पश्चात् निम्नलिखित उप-पैरा अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- (2) “उप-पैरा (1) खण्ड (1) और (2) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहां पर्यवेक्षीय, लिपिकीय या अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द के मूल वतन, विशेष वेतन, या विशेष भना, यदि कोई है, महंगाई भत्ते और वैयक्तिक भत्ते के रूप में कुल रकम, यथास्थिति 3500 रुपए प्रति मास या 2100 रुपए प्रति मास से, केवल महंगाई भत्ते के पुनरीक्षण के कारण, जो उसे मद III के अधीन अनुज्ञेय होता है, अधिक हो जाती है, वहां महंगाई भत्ते का एसा आधिक्य ऐसे कर्मचारिवृन्द को यथास्थिति 1 नवम्बर, 1986 में या उसके पश्चात् देय होगा।

परन्तु यह कि पैरंग 6-के अधीन देय संरक्षण भस्ता प्राप्त करने वाले पर्यवेक्षीय, लिपिकीय या अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द को ऐसी अतिरिक्त राशि का संदाय नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा कर्मचारिवृन्द साधारण बीमा पर्यवेक्षीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्दों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) दूसरा संशोधन स्कीम, 1987 के प्रकाशन की तारीख के नब्बे दिन के भीतर ऐसे संरक्षण भत्ते को वैयक्तिक भत्ते में संपरिवर्तित करने का विकल्प नहीं देता है और उसके 1 नवम्बर, 1986 को या उसके पश्चात् देय महंगाई भत्ते में होने वाली वृद्धि में आमेलिस किए जाने के लिए मद्दत नहीं होता है।”

[फा.सं. 114(19)/वी-IV(87)]
एन.आर. रंगनाथन, अपर सचिव (बीमा)

टिप्पण :—सूल स्कीम अधिसूचना सं. का.आ. 326(अ) तारीख 27-5-74 के साथ प्रकाशित की गई थी।

तत्पश्चात् उसे अधिसूचना सं. का.आ. 769 (अ) तारीख 15-10-85, का.आ. 884 (अ) तारीख 9-12-85, का.आ. 729(अ) तारीख 3-10-86 और का.आ. 442(अ), तारीख 27-4-87 द्वारा मंशोधित किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

INSURANCE

New Delhi, the 7th December, 1987

S.O. 1038(E).—In exercise of the powers conferred by section 17A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby frames the following Scheme further to amend the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Second Amendment Scheme, 1987.
- (2) It shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1986.

2. In the Fourth Schedule to the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, in Item IV relating to maximum limit of pay, the existing paragraph shall be renumbered as sub-paragraph (1) thereof and after sub-paragraph (1) as so re-numbered, the following sub-paragraph shall be inserted, namely :—

“(2) Notwithstanding anything contained in clauses (i) and (ii) of sub-paragraph (1), where the total amount in the form of basic salary, special pay, or special allowance, if any, dearness allowance and personal allowance of a supervisory, clerical or subordinate staff exceeds Rs. 3,500 per month or, as the case may be, Rs. 2,100 per month, only on account of revision of dearness allowance, which

becomes admissible to him under item III, such excess of dearness allowance shall be payable with effect from the 1st day of November, 1986 or later as the case may be, to such staff :

Provided that the supervisory, clerical or subordinate staff, in receipt of protection allowance payable under paragraph 6A, shall not be paid such excess, unless such staff opts, within 90 days of the date of publication of the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Second Amendment Scheme, 1987, to have such protection allowance converted into personal allowance and agrees to its absorption against increase in dearness allowance payable on or after the 1st day of November, 1986".

[F. No. 114(19)lIns. IV/87]

N. R. RANGANATHAN, Addl. Secy. (Insurance)

Note : The principal scheme was published with the Notification No. S. O. 326(E) dated 27-5-1974.

Subsequently amended by Notification Nos. S.O. 769(E) dated 15-10-1985, S.O. 884(E) dated 9-12-1985, S.O. 729(E) dated 3-10-86 and S.O. 442(E) dated 27-4-1987.